

खबर संक्षेप



अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध राजस्व एवं पुलिस टीम की कार्रवाई

शहडोल। अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 12 सितंबर 2026 को त्रात्रि 3:00 बजे से प्रातः 4:30 बजे तक जयसिंहनगर अनुविभाग की राजस्व टीम द्वारा नायब तहसीलदार सक्ती डिवेदी के नेतृत्व में तथा ब्यौहारी अनुविभाग की राजस्व टीम द्वारा डिप्टी कोलेक्टर नैतिकसी नागपुरे के नेतृत्व में पुलिस की सहयाता से अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम झरोसी, तहसील ब्यौहारी में अवैध रेत का परिवहन कर रहे दो 12-चक्का हाइवा वाहनों को पकड़ा गया। दोनों वाहन रोवा की ओर अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे थे। जांच के दौरान दोनों वाहनों पर गंबर प्लेट नहीं लगी पाई गई तथा दोनों वाहनों के पास वैध ईटीपी भी उपलब्ध नहीं था। वाहनों को पकड़ने के दौरान एक हाइवा वाहन का चालक मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे हाइवा वाहन के चालक को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान वाहन चालक ने बताया कि हाइवा में रेत ग्राम रसपुर से भरी गई थी। राजस्व एवं पुलिस टीम द्वारा दोनों वाहनों को अतिरक्षण में लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

छात्रावास एवं आश्रमों का अधिकारियों द्वारा किया जा रहा सतत निरीक्षण



शहडोल। जिले में संचालित विभिन्न छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों की उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का अधिकारियों द्वारा सतत रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंह ने जूनियर अनुसूचित जाति बालक छात्रावास शहडोल तथा बालक एवं बालिका आश्रम झरमनिया, गोहपारू का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त आनंद राय सिंह ने छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले के छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं समय पर उपलब्ध रही हैं या नहीं, इसकी सतत निगरानी एवं निरीक्षण की कार्यवाही अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार कैलाश लालवानी की माताजी को सांसद हिमाद्री सिंह ने दी श्रद्धांजलि



शहडोल। वरिष्ठ पत्रकार कैलाश लालवानी की माता श्रीमति सावित्री देवी जी के निधन पर शोक संवेदनाओं का सिलसिला जारी है। 24 जून 2026 को सावित्री देवी जी के निधन के बाद उनके निवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह भी शामिल हुईं। सांसद हिमाद्री सिंह ने वरिष्ठ पत्रकार कैलाश लालवानी एवं उनके परिवार से मुलाकात कर दिवंगत सावित्री देवी जी के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की, इस दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मायुक्त अवसर पर सांसद हिमाद्री सिंह ने शोककुल परिवार को द्वादस बंधाते हुए कहा कि मां का जाना परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ अध्यक्ष नगर परिषद बरगवा प्रमोदी गीता गुप्ता, पवन चीनी, डॉ. राज तिवारी, प्रीती शाह, सुस्कु, मनीष तिवारी, रवि दुबे, राजेश, बिन्नु, लक्ष्मीकांत मिश्रा, शिवम माहारा, मुकेश शाहू,मौमिक जी, पंकरज सूरज श्रावस्तव सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं शुभचिंतक मौजूद रहे।

अखड़ा नदी किनारे सरकारी दवाओं का जहरीला अंबार

जयसिंहनगर अस्पताल की घोर लापरवाही

कचरा वाहन से फेंकी गई एक्सपायरी दवाइयां!

जयसिंहनगर। एक तरफ स्वास्थ्य विभाग स्वच्छता अभियान और जन-स्वास्थ्य के बड़े-बड़े विज्ञापनों पर सरकारी खजाना लुटा रहा है, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि अस्पताल का जहरीला कचरा खुलेआम जीवनदायिनी नदियों और बेजुबान मवेशियों की सांसों में घोला जा रहा है। ताजा मामला जयसिंहनगर सिविल अस्पताल का है, जहां भारी मात्रा में एक्सपायरी (समयावधि पार) सरकारी दवाइयों का जखीरा नियमों को दरकिनार कर अखड़ा नदी के पास खुले में फेंक दिया गया। नगर परिषद के कचरा वाहन के जरिए नदी किनारे फेंके गए इस दवाओं के अंबार ने विभाग की कार्यशैली और जिम्मेदारों की नीयत पर तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं।

कचरा वाहन बना सबूत मिटाने का जरिया

नियम कहते हैं कि एक्सपायरी दवाओं का निस्तारण वैज्ञानिक पद्धति और निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत किया जाना चाहिए, लेकिन जयसिंहनगर



सिविल अस्पताल प्रबंधन ने इन तमाम नियमों को कचरे के डिब्बे में डाल दिया। बताया जा रहा है कि अस्पताल की समय बीत चुकी सरकारी दवाइयों की बोरियां चुपचाप नगर परिषद के कचरा वाहन में लदवाई गईं और उन्हें अखड़ा नदी के संवेदनशील किनारे डंप कर दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने जब नदी किनारे सीरप, गोलिएं और इंजेक्शनों का ढेर देखा, तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। नदी किनारे चरने वाले बेजुबान मवेशी यदि इन जहरीली दवाओं को खा लेते या यह रसायन घुलकर नदी के जल में



मिल जाता, तो क्षेत्र में महामारी जैसा बड़ा स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता था।

क्या बजट पचाने और साक्ष्य मिटाने का चल रहा खेल

स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों का आरोप है कि यह महज एक इतेफाक या लापरवाही नहीं, बल्कि एक्सपायरी दवाओं के निस्तारण में चल रहे बड़े खेल को छिपाने की नाकाम कोशिश है। सवाल उठ रहा है कि जब डिस्पोजल का बाकायदा बजट

आता है और ठेका दिया जाता है, तो आखिर दवाइयों का जखीरा नदी किनारे क्यों फेंका गया? क्या बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल के नाम पर आने वाली सरकारी राशि की बंदरबंट की जा रही है?

बेजुबान पशुओं और पर्यावरण पर मंडराया गंभीर खतरा

अखड़ा नदी के पास पड़े इस जहरीले कचरे से न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जिन दवाओं से इंसानों की जान बचनी चाहिए थी, वे ही अब मवेशियों और इंसानी सेहत के लिए काल बन रही हैं। मामला तूल पकड़ते ही प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। हमेशा की तरह आला अधिकारी मामले की जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का रटा-रटाया बयान दे रहे हैं, लेकिन देखा यह होगा कि क्या यह जांच भी कचरे के ढेर में दबा दी जाएगी, या फिर सरकारी खजाने और जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले जिम्मेदारों पर गाज गिरेगी?



भारतीय परंपरा में गुरु हमेशा सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित हैं: जय सिंह मरावी



शहडोल। भारत ही नहीं पूरे संसार में गुरु का महत्व सबसे ऊपर है। भगवान ने भी उन्हें अपने से भी श्रेष्ठ एवं प्रथम पूज्य बताया है। उक्त आशय के उद्गार भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा के द्वारा आयोजित गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जैतपुर विधायक जय सिंह मरावी ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। इसीलिए अब शहडोल राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई खेलों में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है , साथ ही शहडोल के बच्चे अपनी योग्यता के बल पर देश-विदेश के प्रमुख संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। श्री मरावी ने भारत विकास परिषद के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों एवं शिष्यों दोनों को प्रेरणा देता है। स्थानीय विधि महाविद्यालय में

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम के संपूर्ण गायन से हुआ, जिसे श्रीलेखा जोहरी एवं निष्ठा मिश्रा ने प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम एवं परिषद के अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि छात्रों को अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हुए सदैव अपने गुरुओं के प्रति आभारी रहना चाहिए। परिषद की सचिव नीति सिंघल ने परिषद द्वारा वर्तमान सत्र में किए गए कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा परिषद के उद्देश्यों के अनुरूप भविष्य के कार्यक्रमों के बारे में बताया। विशिष्ट परिषद के क्षेत्रीय संस्था संयोजक एस्पस जोहरी ने कहा कि परिषद के संस्कार प्रकल्प का यह कार्यक्रम समाज एवं अन्य संगठनों को गुरुजनों के प्रति आभारी रहने एवं प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में परिषद के सदस्य डॉ. राहुल सोनी ने एंटीबायोटिक्स के प्रयोग, प्रभाव



तथा सावधानी के प्रति एक शिक्षाप्रद उद्घोशन दिया। कार्यक्रम में चयनित विशिष्ट शिक्षकों मेडिकल कॉलेज की नेत्र रोग चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. प्राणदा शुक्ला, विधि महाविद्यालय के प्रोफे. अश्विनी कुमार मिश्रा, माध्यमिक शाला मैकी अध्यापिका श्रीमती जयश्री जायसवाल, सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य उमेश कुमार पांडेय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालपुर के प्रभारी प्राचार्य बलराम प्रजापति, ब्राइटन पब्लिक स्कूल की पीजीटी समता सिंह, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंहपुर की उच्च माध्यमिक शिक्षिका डॉ. सविता शुक्ला, सिंदुरी भरीं हाई स्कूल के प्राचार्य डॉक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा तथा फुटबॉल प्रशिक्षक नरेश कुमार कुंड़े का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं सीबीएसई के हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी परीक्षाओं में

उच्चतम अंक प्राप्त कुल 35 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया, जिनमें जर्मनी में फुटबॉल प्रशिक्षण प्राप्त खिलाड़ी, भाला फेंक तथा बास्केटबॉल के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। छात्रा सृष्टि सिंह को कराटे के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होने के लिए भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सविता सोनी एवं जितेंद्र मिश्रा ने किया। आभार कार्यक्रम संयोजक राकेश खरे ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। पुस्तक का विमोचन: कार्यक्रम में नीति सिंघल द्वारा लिखित पुस्तक स्वास्थ्य की कुंजी का विमोचन भी किया गया। पुस्तक के संबंध में जानकारी देते हुए लेखिका ने बताया कि वर्तमान समय की बड़ी चुनौती स्वस्थ जीवन है यह पुस्तक हमें संपूर्ण स्वास्थ्य की ओर ले जाएगी।



विचारपुर सिंदूरी में अल्ट्राटेक कोल माइंस के खिलाफ मोर्चा

कांग्रेस ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

शहडोल। संभागीय मुख्यालय से समीपस्थ विचारपुर सिंदुरी स्थित अल्ट्राटेक कोल माइंस में प्रबंधन की कार्यप्रणाली, वादाखिलाफी और कथित तानाशाही को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीणों व श्रमिकों में गहरा रोष व्याप्त है। अपने मौलिक अधिकारों, पारिश्रमिक वृद्धि और चिकित्सा सुविधाओं जैसी प्रमुख मांगों को लेकर खदान परिसर के समीप जारी अनिश्चितकालीन धरने ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर श्रमिकों की मांगों का समर्थन किया और प्रबंधन के खिलाफ शखनाद किया।

स्थानीय संसाधनों पर अधिकार, सुविधाएं शून्य

आंदोलन को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजीत सोनी ने प्रबंधन की नीतियों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जिस भू-भाग पर कंपनी अपनी कोयला खदानें संचालित कर भारी लाभ अर्जित कर रही है, वहीं के मूल निवासी आज भी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CRS) मद से प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग प्रभावित ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ पेयजल और सड़कों के निर्माण में किया जाना चाहिए था। इसके विपरीत, इस निधि का अन्यत्र खर्च कर स्थानीय जनता के हितों की अनदेखी की जा रही है।

श्रमिकों के अधिकारों का हनन और सुरक्षा मानकों में ढिलाई

आंदोलनकारी श्रमिकों का कहना है कि खदान में श्रम नियमों का खुलकर उल्लंघन किया जा रहा है। निर्धारित मानकों के अनुसार अतिरिक्त कार्य के भुगतान (ओवरटाइम) और अनिवार्य सुरक्षा उपकरणों

(सेफ्टी किट) का अभाव बना हुआ है। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि जोखिम भरे वातावरण में काम कराने के बावजूद प्रबंधन उनकी सुरक्षा व स्वास्थ्य के प्रति गंभीर नहीं है। कई बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो मजबूरन उन्हें काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता चुनना पड़ा।

मांगे पूरी न होने पर ठप होगा काम

धरना स्थल से कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कंपनी प्रबंधन को स्पष्ट शब्दों में आगाह किया कि यदि समय रहते श्रमिकों की न्यायसंगत मांगों और प्रभावित गांवों की जनसमस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो यह विरोध प्रदर्शन केवल धरने तक सीमित नहीं रहेगा। कांग्रेस पार्टी स्थानीय ग्रामीणों और श्रमिकों को साथ लेकर खदान का चक्का जाम करने और उच्च जनआंदोलन शुरू करने से पीछे नहीं हटेगी। नेताओं ने साफ किया कि आंदोलन के चलते उत्पन्न होने वाली किसी भी अग्रिय स्थिति या प्रशासनिक गतिरोध को पूरी जवाबदेही केवल अल्ट्राटेक प्रबंधन की होगी।

प्रमुख मांगें जिन पर अड़े हैं आंदोलनकारी

नियमानुसार वेतन वृद्धि एवं अतिरिक्त कार्य का पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित हो। सभी खदान श्रमिकों को उच्च स्तरीय सुरक्षा किट और नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। प्रभावित विचारपुर सिंदूरी व आसपास के गांवों में सीएसआर फंड से मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाए।

स्थानीय बेरोजगार युवाओं को खदान संचालन में प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए।

ओबी स्लाइड होने से बड़ी दुर्घटना हुई तो जय अम्बे प्रबंधन होगा जिम्मेदार: ग्रामीण

रामपुर बटुरा-खाड़ा के विस्थापितों व प्रभावितों ने उठाए सुरक्षा, सड़क और रोजगार को लेकर गंभीर सवाल

सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी ने

कहा—समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन होगा

शहडोल। एसईसीएल के रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में ओवरबर्डन (ओबी) हटाने का कार्य कर रही जय अम्बे कंपनी की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय ग्रामीणों, विस्थापितों और परिवारों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने ओबी डंपिंग, सड़क की स्थिति, भारी वाहनों की तेज रफ्तार तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिलने जैसे कई गंभीर मुद्दे उठाए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी ने भी ग्रामीणों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए संबंधित प्रबंधन से तत्काल समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि नवंबर-दिसंबर 2025 के आसपास जब जय अम्बे कंपनी रामपुर बटुरा क्षेत्र में पहुंची थी, उस समय विस्थापितों और प्रभावित परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार देने का भरोसा दिलाया गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि उनकी जमीन और क्षेत्र से जुड़े होने के कारण कंपनी में उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि कार्य शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में बाहरी लोगों की नियुक्तियां होने लगीं और स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए लगातार इंतजार करना पड़ा।

ओबी डंपिंग से गांव की सुरक्षा पर सवाल

विस्थापितों और प्रभावित ग्रामीणों का सबसे बड़ा आरोप ओबी डंपिंग को लेकर है। उनका कहना है कि गांव के आसपास और सड़क किनारे काफी ऊंचाई तक ओबी डंप किया जा रहा है। ग्रामीणों का आशंका है कि यदि भारी बारिश के दौरान ओबी का बड़ा हिस्सा स्लाइड हुआ तो आसपास के लोगों और आवागमन करने वाले वाहनों को गंभीर खतरा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ओबी स्लाइड होने से कोई बड़ी दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में संबंधित कंपनी प्रबंधन के विरुद्ध पुलिस में शिकायत और एकआईआर की मांग की जाएगी। ग्रामीणों ने विशेष रूप से जय अम्बे प्रबंधन से जुड़े रिट्ट सिंह और जोगिंदर सिंह की जिम्मेदारी तय करने की बात कही है। हालांकि इन आरोपों पर



संबंधित प्रबंधन का पक्ष सामने आना बाकी है।

सड़क काटकर डंपिंग किए जाने का आरोप

ग्रामीणों ने खाड़ा से खोलगड़ी तक सड़क की स्थिति को लेकर भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि क्षेत्र में पहले से ही आवागमन की समस्या है और ग्रामीणों के आवागमन के लिए उपयोग की जाने वाली सड़क के किनारे तथा आसपास ओबी डंपिंग किए जाने से परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर सड़क के स्वरूप को प्रभावित करते हुए डंपिंग कर दी गई है, जिससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि खनन परियोजना के कारण यदि ग्रामीणों की सड़क प्रभावित होती है तो कंपनी और संबंधित प्रबंधन को वैकल्पिक एवं सुरक्षित सड़क की व्यवस्था करनी चाहिए।

रामपुर से बुढ़ार तक तेज रफ्तार भारी वाहनों से दहशत

ग्रामीणों ने रामपुर से बुढ़ार तक चलने वाले जय अम्बे के भारी वाहनों की रफ्तार पर भी सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार भारी वाहन क्षेत्र की सड़कों से गुजरते हैं और कई बार तेज गति से चलने के कारण पैदल चलने वाले लोगों, दोपहिया वाहन चालकों और स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल बना रहता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि भारी वाहनों की गति निर्धारित की जाए तथा स्कूल, बाजार, आबादी वाले क्षेत्रों और गांवों से गुजरते समय विशेष सावधानी बरती जाए। सड़क सुरक्षा को लेकर कंपनी प्रबंधन और एसईसीएल को संयुक्त रूप से निगरानी व्यवस्था



मजबूत करने की जरूरत बताई गई है।

रोजगार के नाम पर स्थानीय लोगों को छलावा

विस्थापितों का कहना है कि कंपनी के आने के समय स्थानीय लोगों को रोजगार देने की उम्मीद बंधी थी। लेकिन करीब दस महीने काम करने के बाद भी बड़ी संख्या में स्थानीय बेरोजगार रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को प्राथमिकता दिए जाने से स्थानीय युवाओं में निराशा बढ़ रही है। कुछ ग्रामीणों ने बाहरी कर्मचारियों को भर्ती में पैसे के लेन-देन और वेतन से कमीशन लिए जाने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित कंपनी प्रबंधन का पक्ष इस संबंध में सामने आना आवश्यक है।

बिना काम के वेतन देने का भी आरोप

ग्रामीणों ने जय अम्बे कंपनी में कुछ ऐसे लोगों को कर्मचारी सूची में शामिल किए जाने का भी आरोप लगाया है, जो उनके अनुसार नियमित रूप से काम नहीं करते, लेकिन उनकी उपस्थिति दर्ज कर वेतन भुगतान किए जाने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि एसईसीएल और कंपनी प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों की उपस्थिति, नियुक्ति प्रक्रिया और वेतन भुगतान की स्वतंत्र जांच कराई जाए। यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

श्रमिकों के वेतन का मामला भी उठा

ग्रामीणों के साथ-साथ कंपनी में काम करने वाले श्रमिकों से

जुड़ी शिकायतें भी सामने आने की बात कही गई है। ग्रामीणों का दावा है कि 30 से अधिक कर्मचारियों के कई महीनों के वेतन भुगतान को लेकर शिकायतें एसईसीएल प्रबंधन तक पहुंची हैं। कर्मचारियों पर काम का दबाव बनाने और समस्याओं का समय पर समाधान नहीं करने के आरोप भी लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खनन परियोजना में काम करने वाले श्रमिकों को समय पर वेतन मिलना उनका अधिकार है। इस मामले में भी एसईसीएल को शिकायतों की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

एसईसीएल प्रबंधन को देंगे सामूहिक शिकायत

विस्थापितों और प्रभावित परिवारों ने अब मामले को लिखित रूप से एसईसीएल प्रबंधन के सामने रखने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों के अनुसार जल्द ही एक सामूहिक शिकायती पत्र सौंपकर ओबी डंपिंग, सड़क, भारी वाहनों की रफ्तार और रोजगार सहित सभी समस्याओं का समाधान करने की मांग की जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने और डंपिंग कार्य के विरोध में मोर्चा खोलने पर मजबूर होंगे। उनका कहना है कि किसी भी संभावित नुकसान की स्थिति में कंपनी प्रबंधन परिवारों को रोजगार में प्राथमिकता देने की नीति को पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा है कि उन्हें विकास से आपत्ति नहीं है, लेकिन विकास के नाम पर उनकी सुरक्षा, सड़क, जमीन और रोजगार के अधिकारों से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। अब देखा यह है कि एसईसीएल प्रबंधन और जय अम्बे कंपनी ग्रामीणों की शिकायतों पर क्या कदम उठाते हैं।

खबर संक्षेप

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल के निर्देशन में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम कंचनपुर स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षक मान सिंह, आशा कार्यकर्ता कुशीदा बेगम, आशा साथिया राहुल राय, किशोरी साथिया रिया बर्मन सहित विद्यालय के किशोर-किशोरियां उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय को आत्महत्या की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य तथा संकट की स्थिति में समय पर सहायता प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया गया।

प्रशिक्षकों द्वारा बताया गया कि मानसिक तनाव, निराशा अथवा किसी भी प्रकार की भावनात्मक परेशानी से जूझ रहे व्यक्ति को अकेला न छोड़ें तथा उसकी बात को संवेदनशीलता से सुनकर आवश्यक सहयोग एवं सहायता उपलब्ध कराएं। इस दौरान उपस्थित लोगों को गेटकीपरिध्मत्रम बनने के लिए शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षक किशन सोनी एवं किरण वर्मा ने आत्महत्या की रोकथाम में परिवार, मित्रों, शिक्षकों एवं समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए जलरतमंद व्यक्ति की पहचान कर उसे समय पर सहयोग एवं उचित सहायता से जोड़ने का आह्वान किया।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की

कार्रवाई, 5 प्रकरण दर्ज उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय द्वारा अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं परिवाहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा जनस्वास्थ्य एवं लोकहित की दृष्टि से विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के पालन में जिला आबकारी अधिकारी ममता अहिरवार के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी वृत्त उमरिया के चंदवार, चंदौली एवं रामपुरी तथा आबकारी वृत्त मानपुर के अमरपुर क्षेत्र में दबिश देकर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 10 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा, लगभग 300 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 3.78 बल्क लीटर देशी मदिरा जब्त की गई। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, के तहत कुल 5 प्रकरण कायम कर विवेचना में लिए गए। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत लगभग 5,886 रुपये आंकी गई है। चंदवार, चंदौली एवं रामपुर में आठ अलग-अलग स्थलों पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान किसी प्रकार का मादक पदार्थ प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार खाली तलाशी की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान जिला उडवतस्ता प्रभारी मोना दुबे, आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी, पिंकी हिन्दुजा एवं अमितेश सिंह सहित प्रधान आरक्षक अवध सिंह बघेल, कविता सिंह, आरक्षक राजपति, अंजली गौमन, साक्षी सिंह एवं नगर सैनिक उपस्थित रहे।

माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण सम्पन्न



कोतमा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में विकास खंड समन्वयक सरिमन साकेत की उपस्थिति में पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकासखंड कोतमा के सेक्टर क्र. 4 बैहाटोला में नवंकुर नवाकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के सहयोग से शनिवार को माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में ओंकार सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों को सरल एवं चरणबध्थ

बिगड़ रही है शहर की आबोहवा पुलिस को जल्द करना चाहिए खुलासा आपसी विवाद है कोलकत्ता कपड़ा बाजार में आग की वजह

उमरिया। जिला मुख्यालय स्थित सब्जी मंडी में 29 अगस्त से 29 सितंबर तक प्रशासन ने कोलकाता के कपड़ा व्यवसायियों को व्यवसाय करने के अनुमति प्रदान की है इस अनुमति में प्रशासन ने उक्त व्यापारियों को दो स्थल प्रदान किए थे वजह व्यापारियों के दो समूहों का होना था एक गुट को सब्जी मंडी तो दूसरे गुट को बस स्टैंड परिसर का स्थल प्रदान किया गया था। हालांकि दूसरा गुट पहले गुट को सब्जी मंडी मिलने से नाराज था सूत्र बताते हैं उक्त विवाद (आग)की विंगारी उसी दिन से जल रही थी जो बीते गुरुवार की रात्रि को आग की घटना तक आ पहुंची।

बीते गुरुवार की मध्यरात्रि सब्जी मंडी स्थित कोलकाता कपड़ा बाजार में हुई आग लगने की घटना से लगभग एक दर्जन दुकानों में रखे कपड़ों के जलने से लाखों के नुकसान का अनुमान है हालांकि इस घटना पर फायर ब्रिगेड की टीम ने जल्द ही काबू पा लिया नहीं तो स्थिति और भी भयावह हो सकती थी। सूत्र बताते हैं कि मौके पर पहुंचे लोगों को पेट्रोल की बू साफ आ रही थी अब सवाल यह है कि आज की वजह क्या थी वहीं यह बातें भी सामने आ रही हैं कि कोलकाता से आए कपड़ा व्यापारियों के इस वर्ष आपस में दो गुट बन गए थे एक गुट तो प्रशासन की अनुमति से खुश था लेकिन दूसरा इससे नाखुश भी था जिसे प्रशासन ने सब्जी मंडी से अंतर नए बस स्टैंड के परिसर में दुकानों के लिए स्थान दिया था उक्त स्थान वाले कुछ लोग पूर्व में आशियान मैरिज गार्डन के लिए भी



अनुमति मांग रहे थे और इस कार्य में उनका स्थानीय स्तर के कुछ लोग सहयोग और पक्ष रख रहे थे हालांकि प्रशासन ने सुरक्षा कारणों और अन्य वजह बताते हुए उक्त स्थल की अनुमति नहीं दी सूत्र बताते हैं कि उक्त स्थल की पैरवी करने वाले ही बाद में कोलकाता कपड़ा बाजार के व्यापारियों के विरोध में उतर आए अब इसकी वजह क्या थी यह जग जाहिर है दिव-ब-दिव यह अंदरूनी खींचतान चलती रही सूत्र बताते हैं गुरुवार की रात्रि आग की इस घटना के बाद कोलकाता कपड़ा व्यापारियों का एक धड़ा अब इस विवाद और आशियाना एंगल को ही वजह बता रहा है सूत्र यह भी बताते हैं कोलकाता व्यवसायियों के दूसरे धड़े ने नुकसान की पूरी

भरपाई भरने की हामी भरी है।

सोशल मीडिया में अनर्गल टिप्पणियां

कोलकाता कपड़ा बाजार में हुई आग लगने की घटना के बाद उमरिया शहर में कुछ असामाजिक तत्व तरह तरह की मौखिक और सोशल मीडिया पर एक समाज और व्यापारी वर्ग को लेकर अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं जबकि कोई भी व्यापारी ऐसी धिनीनी घटना में शामिल नहीं हो सकता ऐसे लोगों को एक सम्य नागरिक होने का परिचय देना चाहिए बैवजह किसी वर्ग को निशाना नहीं बनाना चाहिए ऐसी टिप्पणियां न



सिर्फ किसी भी भावनाओं को आहत करती है बल्कि समाज में वैमनस्य और अशांति की स्थिति उत्पन्न करती है। प्रशासन को चाहिए कि सोशल मीडिया पर तेर रही ऐसी टिप्पणियों, भातियों अफवाहों पर रोक लगाने न सिर्फ संदेश जारी करे

बल्कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर कार्यवाही सुनिश्चित करे ।

नहीं मांप पाए आहत को

कोलकाता बाजार की लेकर स्थानीय कुछ सफेदपोशों ने अपनी अपनी रेटियां सैकी किसी ने लगाने का पक्ष लेकर पैरवी की तो किसी ने न लगाने को लेकर झ्रामन, जन सुनवाई, अंदरूनी व्यापारिक असंतोष आदि उत्पन्न किया तो कोई निजी स्थानों पर बाजार लगवाने की पैरवी कर अपना निजी हित साध रहा था हालांकि कोई किसी में सफल नहीं हुआ और प्रशासन ने बुद्धिमता से बीच का रास्ता निकाला बस चूक यह हुई कि प्रशासन ने कोलकाता व्यापारी आपस में ही विवाद करेगे इसका अंदेशा शायद नहीं लगाया था और

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में खुली पोल



7 साल से एक ही सीट पर जमे परियोजना अधिकारी आंगनबाड़ी में अव्यवस्था पर कलेक्टर ने थमाया नोटिस

मानपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के मानपुर दौरे में महिला एवं बाल विकास विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। असौद आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की कम उपस्थिति और अव्यवस्था

मिलने पर कलेक्टर ने सख्त नाराजगी जताते हुए परियोजना अधिकारी राज नारायण सिंह, सुपरवाइजर अभिलाषा सोंधिया और कार्यकर्ता शांति बाई कहार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

7 साल से एक ही स्थान पर जमे हैं अधिकारी विभागीय सूत्रों के अनुसार संबंधित परियोजना अधिकारी पिछले लगभग 7 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं। लंबे समय से एक ही

जगह जमे रहने के कारण मॉनिटरिंग व्यवस्था पूरी तरह फेल हो गई है, जिसका असर सीधे आंगनबाड़ी केंद्रों और योजनाओं के क्रियान्वयन पर पड़ रहा है।

स्व सहायता समूह की महिलाएं भी परेशान

क्षेत्र की स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भी विभागीय अनदेखी का आरोप लगाया है। महिलाओं का कहना है कि समूह से जुड़े कार्यों और शासकीय योजनाओं का लाभ उन्हें समय पर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में लापरवाही किसी भी स्तर में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारियों को फील्ड में रहकर व्यवस्थाएं सुधारनी होंगी। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

माटी गणेश प्रतिमा निर्माण का प्रशिक्षण आयोजित तिवारी टोला में प्रस्फुटन समिति के कार्यकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण



राजेन्द्रग्राम। आजाद नवयुवक ग्रामीण विकास संस्था हरौटोला नवांकुर संस्था सेक्टर क्रमांक-1 के तत्वावधान में 12 सितंबर को तिवारी टोला स्थित प्रस्फुटन समिति में माटी गणेश प्रतिमा निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय स्तर पर मिट्टी से गणेश प्रतिमा तैयार करने के लिए लोगों को प्रेरित एवं प्रशिक्षित करना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के परामर्शदाता बब्बू चंद्रवंशी एवं प्रस्फुटन समिति के सचिव मोहन राम चंद्रवंशी सहित समिति के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। समिति के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया और पर्यावरण अनुकूल तरीके से गणेश प्रतिमा निर्माण की तकनीक सीखी। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को मिट्टी की प्रतिमाओं के उपयोग के लिए जागरूक करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक और जनसुनवाई हुई संपन्न

राजनगर। नगर परिषद डूमरकछार के सभागर कक्ष में स्थानीय विकास कार्यों और विभागीय योजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक एवं जनसुनवाई का आयोजन 12 सितंबर को किया गया, इस बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद के अध्यक्ष एवं जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया के द्वारा की गयी। बैठक निकाय में पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी शरद गौतम के मार्गदर्शन में कमलेश त्रिपाठी और शिवलखन धनवार के देखरेख में परिषद के सभापति, विभिन्न वार्डों के पार्षदगण, पार्षद प्रतिनिधि, सहायक राजस्व उपनिरीक्षक, लेखापाल, परिषद के अन्य अधिकारी और समस्त विभागों के प्रभारी व कर्मचारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। साप्ताहिक समीक्षा बैठक एवं जनसुनवाई में वार्डों की जनसमस्याओं पर विचार विमर्श किया गया, बैठक के दौरान विभिन्न वार्डों के पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड क्षेत्र की समस्याओं जैसे पेयजल आपूर्ति, जर्जर सड़कों की मरम्मत, स्वच्छता, आगामी गणेश पूजा एवं आने वाले अन्य त्योहारों में सार्वजनिक पूजा पंडालों की साफ-सफाई, जाम नालियों की सफाई व्यवस्था को प्रमुखता से रखा गया, संबंधित



कार्यों को जनहित में शीघ्र कराए जाने के निर्देश विभाग प्रभारियों को दिए गए। वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद और नागरिकों के द्वारा पेयजल संबंधित पाइप लाइन कनेक्शन की बात रखी गयी, वहीं श्यामबाई द्वारा अपने दिवंगत पुत्र स्व. शोभनाथ का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने संबंधित बात कही, निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के पूजा कमेटी के कमेटी सदस्यों ने भी मुलाकात कर पूजा स्थलों के साफ सफाई, समतलीकरण एवं आवश्यक कार्य कराये जाने के संबंध में चर्चा की, एकीकृत शासकीय हाईस्कूल पौराधार के शिक्षकों द्वारा विद्यालय परिसर में खुले संप्टिक

दो दिनों की रिमझिम बारिश से अमरकंटक में बड़ी परेशानी, टंड भी बड़ी



अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में पिछले दो दिनों से रिमझिम फुहारों तथा हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी है। बारिश के साथ चल रही ठंडी हवाओं और घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया है। मौसम में आई इस करंट के जहां अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता और निखर उठी है, वहीं आम लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई है। पिछले दो दिनों से आसमान पर काले बादलों का डेरा है और भगवान सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो सके हैं। लगातार बारिश, हवा और

टंड का अहसास बढ़ गया है। सुबह और शाम के समय कोहरे की चादर पहाड़ी क्षेत्रों और गांवों पर दिखाई दे रही है। बारिश और कोहरे के कारण सड़कों पर आवागमन करने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कम दृश्यता के बीच वाहनों की रफ्तार प्रभावित हुई है। वहीं अमरकंटक पहुंचने वाले पर्यटक और तीर्थयात्री भी मौसम की प्रतिक्रिया के बीच धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक पहुंचते नजर आए। लगातार बारिश का असर दैनिक मजदूरी पर निम्बर गरीब श्रमिक और मजदूर वर्ग भी पड़ा

है। निर्माण कार्य एवं अन्य दिहाड़ी कार्य प्रभावित होने के कारण कई श्रमिकों को काम नहीं मिल पा रहा है। काम की उन्मीद में घर से निकले मजदूर बारिश के कारण काम न लगने पर वापस लौटने को मजबूर हैं। इससे रोज कमाकर परिवार चलाने वाले श्रमिकों के सामने आर्थिक परेशानी बढ़ गई है। पवित्र नगरी अमरकंटक में मौसम के इस बदलाव के बीच अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक 22 दर्ज हुआ, जो वायु गुणवत्ता के अच्छे स्तर को दर्शाता है। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण वातावरण में नमी बनी हुई है तथा सूर्यदेव के दर्शन नहीं होने से दिन के समय भी ठंडक महसूस की जा रही है। अमरकंटक की पहाड़ियों पर छाया कोहरा, बादलों से ढका आसमान और पेड़-पौधों पर ठहरा बारिश की बुंदें मौसम के मनोहारी रूप को सामने ला रही हैं। प्रकृति बारिश से थुलथुल और अधिक हरी-भरी दिखाई दे रही है, लेकिन लगातार वर्षा ने दूसरी ओर यातायात, पर्यटन गतिविधियों और श्रमिकों के रोजगार को प्रभावित कर आम जनजीवन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर हुआ मंथन

निर्माण कार्यों एवं अन्य कार्यों की प्रगति रिपोर्ट बैठक में प्रस्तुत की, एवं आगामी दिनों में विभाग के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में कार्य योजना की जानकारी प्रस्तुत की गयी। डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने अधिकारियों और कर्मचारियों को कहा कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लंबित कार्यों का निपटारा समय सीमा के भीतर किया जाए अन्यथा की स्थिति में आपके विरुद्ध की गयी कार्यवाही की जिम्मेदारी आपके स्वयं की होगी। उक्त बैठक में सभापति रवि सिंह, जीतेंद्र चौहान, रंजीत कुमार वर्मा, पार्षदगण विजेन्द्र देवांगन, सरिता यादव, पार्षद पति योगेश पालीवाल, लेखापाल शिवनरेश धनवार उपस्थित रहे, इनके साथ ही परिषद के कर्मचारी प्रतिज्ञा मिश्रा, अखिलेश सिंह परिहार, सत्येन्द्र चौहान, तीर्थ पनिका, सुनारूल, विवेक मिश्रा, त्रिलोकीनाथ राय, अनुरूढ़ दाहिया, विशाल महतो, पंकज चतुर्वेदी, रामन गौतम, विक्रम सिंह, दीपक सिंह, उत्तम कोल, विजय यादव, प्रशांत केशरवानी, राजु यादव समेत अन्य कर्मचारी एवं नगर के गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे। बैठक के अंत में नगर के चहुंमुखी विकास के लिए जनहित में सभी पार्षदों और कार्मिक अमले को आपसी समन्वय बनाकर निकाय हित मे काम करने की बात निकाय अध्यक्ष के द्वारा कही गयी।

बिजुरी में सट्टे के कथित कारोबार पर सवाल थानगांव से कपिलधारा तक नेटवर्क की चर्चा

ओपन-क्लोज के खेल पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर उठे सवाल

अनूपपुर। कोयलांचल क्षेत्र बिजुरी में सट्टे के कथित कारोबार को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर थानगांव, लोहरसा, बैहाटोला, माईस कॉलोनी और कपिलधारा कॉलोनी में सट्टा संचालित होने की चर्चाएं हैं। आरोप है कि पुराने सटोरिए नए लोगों को जोड़कर अपना नेटवर्क बढ़ा रहे हैं और मोबाइल के जरिए ओपन-क्लोज के नाम पर दांव लगाए जा रहे हैं। मामले में सबसे बड़ा सवाल पुलिस की कार्रवाई को लेकर है। यदि इन इलाकों में सट्टे का कारोबार संचालित होने की चर्चा है तो पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। हालांकि सट्टा कारोबार और किसी स्तर पर संरक्षण दिए जाने के

Monday	167	4	789	289	9	379
470 14 - 19	290	41 - 46		91 - 96		
Tuesday	258	5	357	147	2	570
52 - 57		20 - 25		70 - 75		
Wednesday	238	3	139	380	1	678
31 - 36		13 - 18		63 - 68		
Thursday	189	9	469	145	0	578
90 - 95		04 - 09		54 - 59		
Friday	390	2	110	490	3	346
23 - 28		32 - 37		82 - 87		
Saturday	169	6	367	149	4	680
64 - 69		41 - 46		91 - 96		

आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कथित सट्टे के खेल में छोटी रकम से शुरुआत कर बड़े दांव लगाए जाने की बात सामने आ रही है। काम पैसे में

ख़बर संक्षेप

140 पाव देशी शराब जब्त, 4 प्रकरण दर्ज कटनी। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी मंशाराम उड़के के नेतृत्व में आबकारी वृत्त-3 के अंतर्गत ग्राम हिरवारा, पिपरिया, गाताखेड़ा, सिंगनपुरी, निवार एवं सलैया में दबिश दी गई। दबिश के दौरान अलग-अलग स्थानों से 60 पाव प्लेन मदिरा एवं 80 पाव मसाला मदिरा सहितकुल 140 पाव देशी मदिरा बरामद की गई। जब्त मदिरा की कुल मात्रा 25.2 बल्क लीटर है। मामले में आबकारी अधिनियम, के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने की हड़ताल कटनी।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का कटनी में भी व्यापक असर देखने को मिला। हड़ताल के चलते शहर सहित जिले की विभिन्न बैंक शाखाओं में नियमित बैंकिंग कारोबार प्रभावित रहा। बैंक कर्मचारी और अधिकारियों ने अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन कर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। शहर के मध्य स्थित आस्था प्लाजा के बाहर UFBU के बैनर तले ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (AIPNBOA) द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारियों ने हाथों में मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया और अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना और निष्पक्ष पीएलआई (PLI) शामिल रही। प्रदर्शन के दौरान बैंकिंग कर्मचारियों ने सरकार और संबंधित संस्थाओं से उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शन में AIPNBOA के कटनी मंडल सचिव शुभम त्रिपाठी व अध्यक्ष दीपेश गौर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने “आवाज दो, हम एक हैं” के नारे लगाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 28 से 30 सितंबर 2026 तक तीन दिवसीय हड़ताल की जाएगी।

निर्माण कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने दिए निर्देश कटनी।

शुक्रवार को जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ब्रतेश जैन ने ग्राम पंचायत गुडगढोहा में चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अवगत होवें कि जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा फील्ड विजिट कर योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

हैवी ब्लैस्टिंग के विरोध में शारदा गेट पर धरना प्रदर्शन, एक सप्ताह ब्लैस्टिंग बंद रखने का आश्वासन

अमलाई। नगर परिषद बकहो क्षेत्र में एसईसीएल द्वारा की जा रही हैवी ब्लैस्टिंग से मकानों को हो रही क्षति के विरोध में शनिवार सुबह नगरवासियों ने शारदा गेट पर धरना-प्रदर्शन किया। बकहो के वार्ड क्रमांक 3 में हैवी ब्लैस्टिंग के चलते कई घरों में दरारें पड़ने की शिकायत सामने आई है। इस समस्या को लेकर पार्श्व सहित वार्ड के रहवासियों ने पूर्व में एसईसीएल प्रबंधन को ज्ञापन देकर मामले में कार्रवाई की मांग की थी। धरना-प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे और हैवी ब्लैस्टिंग पर तत्काल रोक लगाने की मांग उठाई। प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बाद मौके पर एसडीएम, थाना प्रभारी, एसईसीएल प्रबंधन एवं सब एरिया मैनेजर पहुंचे। नगरवासियों और अधिकारियों के बीच चर्चा के बाद



एसईसीएल प्रबंधन की ओर से आश्वासन दिया गया कि आगामी एक सप्ताह तक हैवी ब्लैस्टिंग बंद रखी जाएगी। प्रभावित मकानों का होगा सर्वेचर्चा के दौरान एसईसीएल प्रबंधन ने यह भी आश्वासन दिया कि हैवी ब्लैस्टिंग से बकहो क्षेत्र के जिन-जिन मकानों को नुकसान पहुंचा है, उनका सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के आधार पर क्षति का आकलन कर आगे आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नगरवासियों ने मांग की है कि प्रभावित मकानों का सर्वे शीघ्र एवं निष्पक्ष रूप से कराया जाए। साथ ही भविष्य में ब्लैस्टिंग के दौरान नगरवासियों की सुरक्षा और मकानों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। रहवासियों का कहना है कि लगातार हो रही हैवी ब्लैस्टिंग के कारण मकानों में दरारें पड़ने से लोगों में चिंता का माहौल है।

सात साल की लड़ाई, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर दोस्त दिखा तो लौट आई दोस्ती



राष्ट्रीय लोक अदालत मे मामले का संवाद, समझाइश के बाद राजीनामे से हुई समाप्ति

कोतमा। वर्ष 2019 में कालरी में काम करने वाले भालूमाड़ा क्षेत्र के दो कर्मचारियों के बीच पैसों के मामूली लेन-देन को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट और थाने में रिपोर्ट दर्ज होने तक पहुंच

गया। कभी गहरी मित्रता रखने वाले दोनों पक्षों के बीच ऐसी कड़वाहट बढ़ी कि मामला करीब 7 साल तक न्यायालय में चलता रहा। इसी दौरान एक पक्ष का आरोपी इस वर्ष अन्य प्रकरण में जेल चला गया। 12 सितंबर, राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर मामला न्यायालय की मेज पर इस उम्मीद के साथ पहुंचा था कि जो बात सात साल में नहीं हो सकी, शायद आज हो

जाए। कार्यवाही शुरू हुई और आरोपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जैसे ही पुराने दोस्त की नजर स्क्रीन पर जेल में मौजूद अपने मित्र पर पड़ी, वर्षों पुरानी नाराजगी मानो पिघलने लगी। पुरानी मित्रता फिर उमड़ आई और दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से अपने-अपने मामलों में राजीनामा कर विवाद को समाप्त करने का निर्णय लिया। न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबड़ा ने दोनों पक्षों को धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें वर्षों से चले आ रहे विवाद को समाप्त कर आपसी सौहार्द एवं मित्रता के साथ आगे बढ़ने के लिए समझाइश दी। न्यायालय की ओर से किए गए प्रयासों से दोनों पक्षों के बीच समझौते की राह बनी और अंततः दो मामलों का राजीनामे के माध्यम से अंत हुआ। मामूली लेन-देन से शुरू हुई बात ने सात साल तक कानूनी लड़ाई का रूप लिया, लेकिन राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन संवाद, समझाइश और पुरानी दोस्ती ने इस विवाद को समाप्त कर दिया।

15 सितंबर को बरसाना पैलेस में होगा भव्य आयोजन, वैदिक पूजन से लेकर रंगमंचीय प्रस्तुतियों तक होंगे विविध कार्यक्रम

कश्यप जयंती पर सजेगा मानपुर, शोभायात्रा और प्रतिभा सम्मान समारोह में जुटेगा कसौंधन वैश्य समाज

मानपुर। सृष्टि के सृजनकर्ता एवं गोत्र प्रवर्तक भगवान श्री कश्यप ऋषि की जयंती के अवसर पर मानपुर में कसौंधन वैश्य समाज द्वारा भव्य कश्यप जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह है। 15 सितंबर 2026, मंगलवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में धार्मिक अनुष्ठान, रामायण पाठ, भव्य शोभायात्रा, सांस्कृतिक एवं रंगमंचीय प्रस्तुतियों के साथ समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। श्री कसौंधन वैश्य समाज मानपुर के अध्यक्ष विकास गुप्ता (एड.) एवं नवयुवक मंडल अध्यक्ष रूपेश गुप्ता ने बताया कि भगवान कश्यप ऋषि की जयंती समाज के लिए आस्था और गौरव का पर्व है। इसी भावना के साथ कार्यक्रम को



भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा पुरानी बाजार से प्रारंभ होकर बस स्टैंड होते हुए कार्यक्रम स्थल बरसाना पैलेस पहुंचेगी। **रंगमंचीय प्रस्तुतियां रहेंगी आकर्षण का केंद्र** शाम 5 बजे से रंगमंचीय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें समाज की प्रतिभाओं द्वारा सामूहिक नृत्य, गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

दी जाएंगी। कार्यक्रम में बच्चों एवं युवाओं की प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का नाम रोशन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। रात्रि 8 बजे सभी समाजजनों के लिए भोजन प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

कश्यप ऋषि को माना जाता है गोत्र प्रवर्तक

सनातन परंपरा में भगवान कश्यप ऋषि का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वे महर्षि मरीचि के पुत्र और सप्तर्षियों में प्रमुख माने जाते हैं। कश्यप ऋषि का विवाह दक्ष प्रजापति की कन्याओं से हुआ, जिनसे देवता, दैत्य, नाग, मानव तथा विभिन्न

जीव-जंतुओं की उत्पत्ति की धार्मिक मान्यता वर्णित है। इसी कारण उन्हें सृष्टि के प्रमुख प्रवर्तकों में माना जाता है। कसौंधन वैश्य समाज भगवान कश्यप ऋषि को अपना गोत्र प्रवर्तक मानकर उनकी आराधना करता है।

सपरिवार शामिल होने का आग्रह

आयोजक कसौंधन वैश्य समाज नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल मानपुर ने समस्त स्वजातीय बंधुओं से कश्यप जयंती समारोह में सपरिवार शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन केवल जयंती समारोह नहीं, बल्कि समाज को अपनी परंपरा, गोत्र, संस्कार और सनातन मूल्यों से जोड़ने का अवसर भी है।



17 सितंबर से आयोजित होंगे ग्राम स्तरीय शिविर



प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं कार्यों में गति लाने के उद्देश्य से जिला पंचायत सभागार उमरिया में अनुविभाग बांधवगढ़ के मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पटवारी, राजस्व निरीक्षक , सहायक विकास अधिकारी , पंचायत समन्वय अधिकारी , नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के विभिन्न चरणों, कार्यप्रणाली तथा मैदानी स्तर पर किए जाने वाले कार्यों के संबंध में

विस्तारपूर्वक जानकारी एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि के सर्वेक्षण, अभिलेखों के संधारण तथा अन्य संबंधित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए 17 सितंबर 2026 से ग्राम स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में ग्रामीणों को योजना की प्रक्रिया एवं उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी देने के साथ आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शिविरों का सुव्यवस्थित आयोजन करने तथा प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन करने के लिये किसान पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ

उमरिया। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन करने के लिये किसानों की सुविधा हेतु किसान पंजीयन प्रक्रिया निर्धारित की गयी है, जिसके अनुसार किसान पंजीयन व्यवस्था को को सहज और सुगम बनाया गया है जिससे किसानों को पंजीयन केन्द्रों में लाईन लगाकर पंजीयन कराने की समस्या से मुक्ति मिलेगी । उन्होने बताया कि किसान ग्राम पंचायत कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालयो, तहसील कार्यालयो में स्थापित सुविध केंद्र तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं व्दारा संचालित पंजीयन केंद्र पर निशुल्क पंजीयन तथा एमपी आनलाइन क्रियोसक, कॉमन सर्विस सेंटर , लोक सेवा केंद्र तथा निजी व्यक्तियों व्दारा संचालित साइबर कैफे पर सशुल्क पंजीयन करा सकते है। खरीफ विपणन वर्ष

2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु किसानों के पंजीयन को कार्य 15 सितंबर से 10 अक्टूबर की अवधि में शासन के निर्देशानुसार किया जायेगा, जिसमें आवश्यकतानुसार शासन स्तर से वृद्धि की जा सकती है । पंजीयन के समय कृषक को मूलभूत जानकारी नाम समग्र आईडी नंबर, आधार नंबर, एग्रीस्टेक किसान आईडी. आधार से लिंक बैंक खाता नंबर, और बैंक का आईएफएससी कोड मोबाइल नंबर, की जानकारी उपलब्ध करानी होगी । जनधन,अक्रियाशील, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटिएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। किसान का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा, जबकि किसान के भू-अभिलेख, एग्रीस्टेक में भूमि के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा, भू अभलेखक एग्रीस्टेक और आधार कार्ड में दर्जनाम में विसंगति

होने पर पंजीयन का सत्यापन तहसीलदार, नायब तहसीलदार द्वारा किया जाएगा। सत्यापन होने की स्थिति में ही उक्त पंजीयन मान्य होगा। किसान पंजीयन में भूमि का खसरा, रकबा एवं बोई गई फसल की जानकारी एग्रीस्टेक डाटाबेस में लिया जाएगा, जिसमें संबंधित किसान के खसरे की ही जानकारी पंजीयन में ली जा सकेगी । एग्रीस्टेक किसान आईडी अधीक्षक भू-अभिलेख अथवा संबंधित हल्का पटवारियों से किसान द्वारा बनाई जाकर प्राप्त की जा सकेगी ।जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से संबद्ध मध्य प्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, अंतर्गत पंजीकृत प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाएं, वृहत्ताकार कृषि साख सहकारी संस्थाएं आदिम जाति सेवा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से निशुल्क किसानों के पंजीयन के लिये जिले में कुल 31 धान पंजीयन केन्द्र शासन से बनाने

के लिये स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसके लिये सहकारी समितियों के प्रबंधकों एवं सहायक आयुक्त सहकारी संस्थाएं उमरिया से आवेदन एवं प्रस्तावित धान समितियों की जानकारी प्राप्त कर धान पंजीयन केन्द्रो के निर्धारण की कार्यवाही की जा रही है । जिले के किसानों से अपेक्षा कि गई है कि वे शासन की समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन योजना के तहत किसान अपना पंजीयन एमपी ऑन लाईन, क्रियोस्क सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर क्रियोस्क, लोक सेवा केन्द्र पर सशुल्क 50 रूपये देकर अथवा निशुल्क व्यवस्था के तहत जिले में सहकारी समितियों के संचालित नजदीकी धान पंजीयन केन्द्रो पर किसान अपना पंजीयन 15 सितंबर से 10 अक्टूबर तक की अवधि में करा सकता है । जिले के सभी किसान भाईयों से अपील है कि शासन की समर्थन मूल्य योजना का अधिक से अधिक लाभ अर्जित करे ।

वैज्ञानिकों ने दिया 'इन-सीट्रू' प्रबंधन और आधुनिक यंत्रों का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

कृषि विज्ञान केंद्र कटनी, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत संचालित में स्थानीय किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिए 7 से 11 सितंबर 2026 तक आयोजित पाँच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। इस विशेष तकनीकी प्रशिक्षण शिविर में क्षेत्र के 25 प्रगतिशील किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संजय वैशम्पायन की अध्यक्षता में हुआ। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को खेतों में नरवाई (धान और गेहूँ के अवशेष) न

जलाने के प्रति जागरूक करना और मुद्दा स्वास्थ्य को बेहतर बनाना था। फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों का मानव स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य, एवं पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है एवं कैसे बचा जा सकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। किसान साथियों को फसल के अवशेषों का प्रयोग अपने आर्थिक समृद्धि के लिए कर सकते हैं जैसे उससे विभिन्न तरह के उत्पाद बनाए जा सकते हैं एवं फसल के अवशेषों पर मशरूम की गुणवत्ता युक्त खेती की जा सकती है फसल के अवशेषों को खेतों में अति शीघ्र डीकंपोज करने हेतु वेस्ट डी कंपोजर का प्रयोग और वेस्ट डी कंपोजर को कैसे तैयार किया जा सकता है के बारे मे बताया गया। फसल के अवशेषों का अच्छी तरह से प्रयोग करके मृदा का

स्वास्थ्य सुधारा जा सकता है, जिससे बाँरे मे तकनीक बताई गई। पाँच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में कृषि विज्ञान केंद्र कटनी के वैज्ञानिकों ने किसानों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक तकनीकी जानकारीयां दीं। डॉ. आर. के. मिश्रा ने पशु पोषण और फसल अवशेषों के चारे के रूप में सही उपयोग व उसके मूल्य संवर्धन के बारे में बताया। डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव ने नरवाई प्रबंधन के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं और पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डाला। डॉ. आर. पी. बैन ने मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और अवशेषों को सड़ाकर जैविक खाद में बदलने की विधियों की जानकारी दी। डॉ. के. पी. द्विवेदी ने किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, मचर और स्ट्रॉ रीपर के

तकनीकी संचालन और कार्यप्रणाली से अवगत कराया। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि नरवाई जलाने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है, बल्कि मिट्टी के मित्र कीट व सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उपजाऊ क्षमता घटती है। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी 25 कृषकों को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। समापन संबोधन में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संजय वैशम्पायन ने किसानों से अपील की कि वे इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को अपने गांवों के अन्य किसानों तक भी पहुंचाएं। अंत में, अधिकारियों द्वारा इन कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सरकारी सब्सिडी और कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।



